GOLDEN HILLS

GREATEST PLACE TO HEAL AND CALM

GOLDEN
HILLS
YOUR SLICE OF HEAVEN

About Us

AG INFRATECH – Premium Real Estate Developer

AG INFRATECH is a leading real estate developer in India, established in 2005, with a strong reputation for quality, innovation, and customer satisfaction. Specializing in residential (luxury apartments, villas) and commercial (office spaces, retail complexes) projects, the company has delivered 50+ projects across 15+ cities, serving 10,000+ customers.

Key Highlights:

- Mission: Sustainable, customer-centric spaces enhancing quality of life.
- Services: End-to-end solutions including property investment, management, legal assistance, and financial aid.
- Differentiators: Timely delivery, eco-friendly practices, innovative designs, and award-winning excellence (25+ awards)

Know about GOLDEN HILLS

Imagine a special place far away from the noisy city, called Golden Hills. It's in a quiet part of Rajasthan, surrounded by pretty mountains and lots of green trees.

At Golden Hills, you can have your very own farmhouse. It's like a cozy home where you can relax and have fun. It has old-style charm but also comfy new things.

This place is perfect for:

- **Weekend fun:** You can go there on holidays and weekends to play and relax.
- **Growing your own food:** You can plant fruits and vegetables, just like a farmer!
- **Building your dream house:** You can make a beautiful home exactly how you want it.

Golden Hills is a gated community, which means it's a safe and private place where everyone knows each other. It's like a peaceful village where you can escape the busy city and enjoy nature!

Project
Key Highlights

Scenic & Serene Environment:

- Breathtaking views of the Aravalli ranges and expansive green spaces.
- Tranquil ambiance perfect for relaxation and rejuvenation.

Strategic Location:

- Situated in Kotputli-Banethi, Rajasthan, with easy access to NH-48 (Delhi-Jaipur Highway) Old NH-8.
- Proximity to Neemrana's industrial zone and upcoming developments in the Delhi-Mumbai Industrial Corridor (DMIC) .

Approved & Secure:

- Legally approved plots with clear titles, ensuring a hassle-free investment 8.
- Gated community with 24/7 security for safety and privacy.

Project
Key Highlights

Lifestyle Amenities:

- Farmhouse-friendly infrastructure: Options for organic farming, rainwater harvesting, and solar power integration.
- Potential for custom-built villas or eco-friendly retreats

Investment Potential:

- High demand for farmhouse plots in Rajasthan’s fast-growing periphery near Delhi-NCR.
- Affordable pricing compared to urban real estate, with 500 sq. yd. plots available

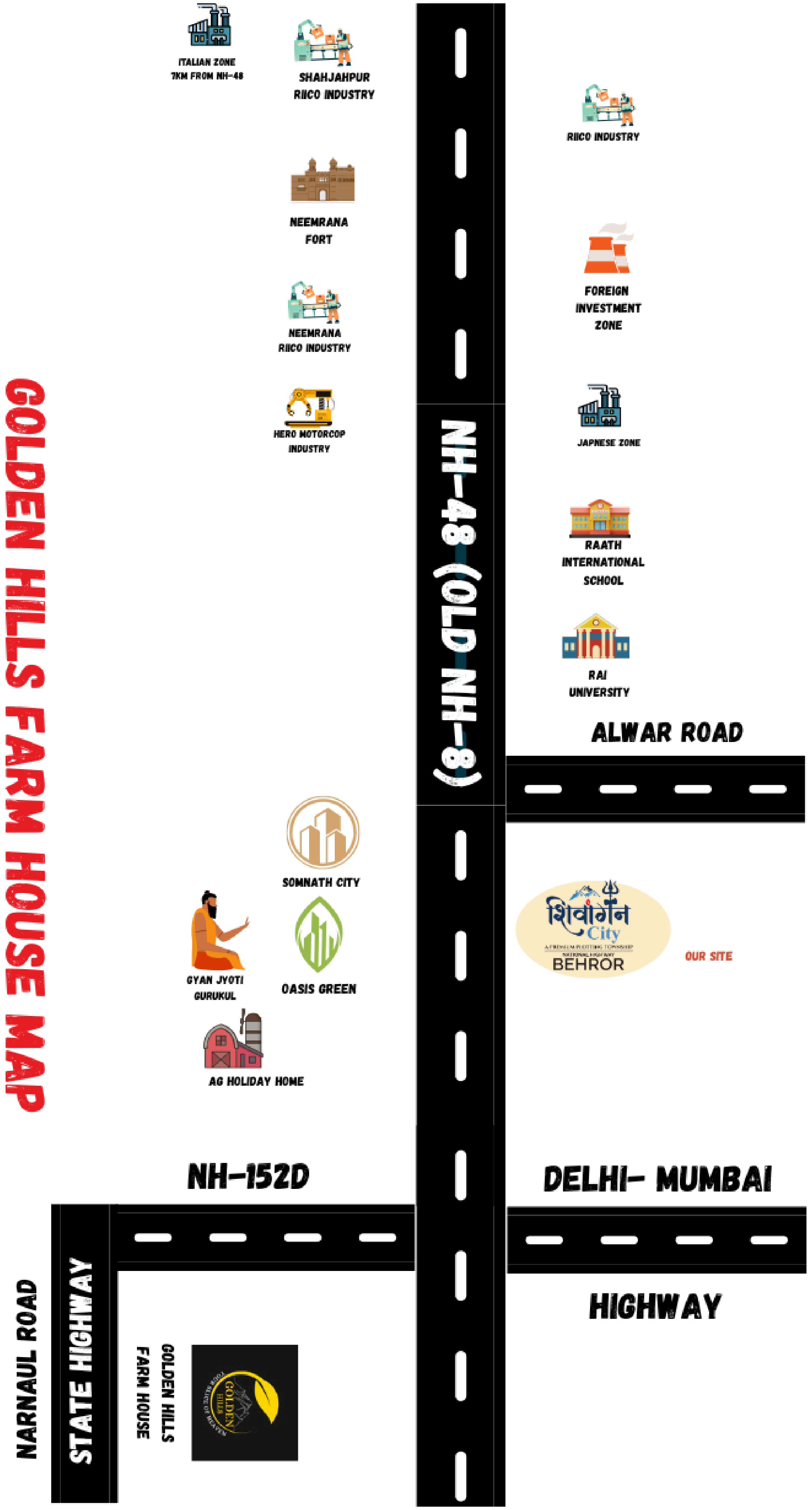

Project
Key Highlights

Golden Hills is a super cool place where you can be peaceful and close to nature, but it's also easy to get to. It's not far from Delhi, so you can quickly leave the noisy city and chill out in your own special spot. You can also visit the old Neemrana Fort and see pretty waterfalls nearby!

- 140km from Delhi
- 35km to Neemrana
- Natural Waterfalls

दैनिक भास्कर बहरोड़/कोटपूतली भास्कर 14-09-2023

आज 14 सितंबर हिन्दी दिवस है- इस अवसर पर आज से ही आपके नए जिले का अखबार हिन्दी प्रेमी पाठकों को समर्पित है।

बहरोड़-कोटपूतली भास्कर

शाहजहांपुर • नीमराना • बानसूर — नारायणपुर • बर्डोद • विराटनगर — dainikbhaskar.com

भास्कर खास • कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जापानी जोन सहित 8 रीको एरिया, ये प्रदेश का नया प्रोडक्शन हब

स्वर्णिम बहरोड़

कोटपूतली से शाहजहांपुर तक 696 कंपनियां कार्यरत, अब विराटनगर-बानसूर और मुंडावर में नए उद्योग क्षेत्र की तैयारी

अभी देशभर के 95 हजार लोग इन कंपनियों में काम कर रहे, नए क्षेत्र बने तो यह संख्या और बढ़ेगी

घीलोठ पर नजर, यहां सबसे ज्यादा मांग, सबसे तेज विकास

दैनिक भास्कर 16-04-2024

बिज़नेस भास्कर

Business Standard और Bloomberg की खबरों के साथ

सेक्टर रिपोर्ट • अभी 40 लाख करोड़ रु. का है, 2034 तक 124 लाख करोड़ रु. तक पहुंचने की उम्मीद

रियल एस्टेट मार्केट 10 साल में होगा 3 गुना

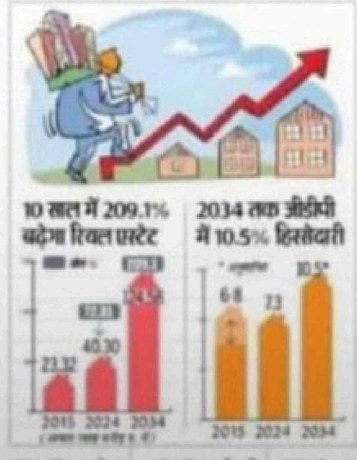

170 करोड़ वर्ग फीट ऑफिस स्पेस की जरूरत

69% बढ़ेंगे ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स

टियर-2-3 शहरों का रुख कर रहीं कंपनियां

पत्रिका

#blueprint बाईस साल के लिए बनेगा मास्टर प्लान

नेशनल प्लानर बनाएंगे जयपुर का मास्टर प्लान, इकोनोमिक ग्रोथ संग डवलपमेंट का होगा ब्लू प्रिंट

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क patrika.com

जयपुर. राजधानी का नया मास्टर प्लान (डवलपमेंट का ब्लू प्रिंट) लोकल की बजाय नेशनल व इंटरनेशनल टाउन प्लानर तैयार करेंगे। चेन्नई, बेंगलूरु, पुणे की तर्ज पर यहां भी काम होगा। सरकार ने टाउन प्लानिंग शाखा को अत्याधुनिक तकनीक से मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद देश के ख्यात टाउन प्लानर्स को भी शामिल करने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। शहर का चौथा मास्टर प्लान 22 साल के लिए बनेगा। देश की आजादी के सौ वर्ष पूरे होने के कारण मास्टर प्लान 2047 के लिए होगा, जबकि पहले यह 25 साल के लिए बनाने का प्लान था। मौजूदा प्लान वर्ष 2025 तक प्रभावी है।

नया मास्टर प्लान बनाने की प्रक्रिया शुरू, टाउन प्लानर्स को लेंगे साथ

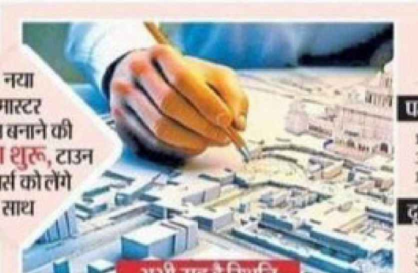

अभी यह है स्थिति

- अभी मास्टर प्लान का क्षेत्रफल 2940 वर्ग किलोमीटर है। इसमें 725 गांव शामिल हैं।
- 11 सैटेलाइट टाउन और 4 ग्रोथ सेंटर हैं, जो अब तक विकसित नहीं किए गए।
- इसमें से करीब 1 हजार वर्ग किलोमीटर एरिया तो करीब-करीब खाली पड़ा है। शहर का विस्तार आसानी से यहां किया जा सकेगा।

अब तक तीन मास्टर प्लान

- **पहला** वर्ष 1971 से 1991 तक (बाद में इसे वर्ष 1998 तक बढ़ाया गया)। इसमें 391 वर्ग किलोमीटर एरिया और 132 गांव शामिल किए गए थे।
- **दूसरा** वर्ष 1998 से 2011 तक प्रभावी रहा। इसमें 1959 वर्ग किलोमीटर एरिया और 478 गांव शामिल किए गए।
- **तीसरा** वर्ष 2011 से 2025 तक के लिए। 2940 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल है और इसमें 725 गांव शामिल हैं।

एक्सपर्ट से समझें कैसे होगा शहर का मास्टर प्लान

जनता को पहले यह चाहिए

- रहने योग्य शहर हो, यानी यहां जीवनयापन के लिए जरूरी सुविधाएं सुलभता से उपलब्ध हों। इसमें साफ पानी, कचरा मुक्त शहर, चौबीस घंटे पानी व बिजली सप्लाई, सुदृढ़ ड्रेनेज व सीवरेज सिस्टम, सार्वजनिक शौचालय।
- सड़क क्षेत्र के साथ-साथ फुटपाथ एरिया भी बढ़े, क्योंकि राहगीरों की किसी को चिंता नहीं है। सार्वजनिक परिवहन नीति में अंकित है कि सड़क क्षेत्र में चलने का पहला अधिकार राहगीर का है।
- हर एरिया में सेन्ट्रल पार्क की तर्ज पर ऑक्सीजोन विकसित हों।

टॉपिक एक्सपर्ट

मास्टर प्लान में आर्थिक विकास भी जुड़े

एच.एस. संचेती, पूर्व मुख्य नगर नियोजक, राजस्थान

शहर का दायरा 3000 वर्ग किमी तक फैल चुका है। समुचित इन्फ्रास्ट्रक्चर के अभाव में छितराया हुआ डवलपमेंट सामने है। सैटेलाइट टाउन कंसेप्ट धरातल पर नहीं आ पाया। शहर के फिजिकल डवलपमेंट के साथ आर्थिक विकास भी जरूरी है। इसलिए मास्टर प्लान में आर्थिक विकास का समावेश होना ही चाहिए। आवासीय और कॉमर्शियल डवलपमेंट के साथ-साथ उसी एरिया में शिक्षा, पर्यटन, मेडिकल हब, छोटे उद्योग जैसी गतिविधियों के लिए भी जगह हो। संतुलित डवलपमेंट के साथ-साथ इकोनोमिक ग्रोथ किस तरह हो, इसके लिए देश की उच्च स्तरीय टीम को आउटसोर्स करना चाहिए। इस पर मंथन भी चल रहा है।

वर्टिकल डवलपमेंट के साथ रोजगार से जोड़ने पर फोकस

सरकार ने शहर के विकास के लिए विजन 2047 के तहत प्लानिंग की जरूरत मानी है। इसके तहत शहर के वर्टिकल विकास के साथ-साथ उसे रोजगार से जोड़ने पर भी फोकस होगा। उस एरिया को इकोनोमिक ग्रोथ प्लान से जोड़ा जाएगा। शहरों में ज्यादा से ज्यादा निवेशकों के लिए धरातल तैयार हो। इसके लिए देशभर के प्रमुख विषय विशेषज्ञों की भी राय ली जाएगी।

---

14 राजस्थान पत्रिका अलवर, बुधवार, 7 अगस्त 2024

दिल्ली से अलवर तक विकसित किया जाना है कॉरिडोर, 160 किमी रफ्तार से दौड़ेगी रैपिड मेट्रो

अब दिल्ली दूर नहीं...गुरुग्राम में मेट्रो लाइन से जुड़ेगा आरआरटीएस कॉरिडोर

रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम हीरो होंडा चौक एवं साइबर हब के सामने से मेट्रो कॉरिडोर से जुड़ेगा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क patrika.com

अलवर. अलवरवासियों के लिए खुशखबर हैं। अब उनके लिए दिल्ली दूर नहीं होगी।

गुरुग्राम साइबर सिटी में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) हीरो होंडा चौक एवं साइबर हब के सामने मेट्रो कॉरिडोर से जुड़ेगा। इससे यह लाभ होगा कि मानेसर से लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोग भी साइबर सिटी के विभिन्न इलाकों में आसानी से पहुंच सकेंगे। साथ ही आरआरटीएस कॉरिडोर पर अधिकतम 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से रैपिड मेट्रो दौड़ेगी। इससे कम से कम समय में अलवर से लोग दिल्ली पहुंच सकेंगे।

मानेसर से लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोग भी साइबर सिटी के विभिन्न इलाकों में आसानी से पहुंच सकेंगे

पहले चरण में 106 किमी का कॉरिडोर बनेगा

जानकारी के अनुसार एनसीआरटीसी की ओर से पहले चरण में दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी (शाहजहांपुर-नीमराणा-बहरोड़) तक 106 किलोमीटर का कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। आरआरटीएस कॉरिडोर पर अधिकतम 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से ट्रेनें चलेंगी। औसतन रफ्तार 80 से 100 किमी प्रति घंटा रहेगी।

जानकारी के अनुसार दिल्ली एनसीआर के ऊपर से आबादी और सड़कों पर से ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आरआरटीएस) विकसित करने की योजना बनाई गई हैं। इसके तहत दिल्ली से अलवर तक कॉरिडोर विकसित किया जाना हैं। ये कॉरिडोर दिल्ली-जयपुर हाइवे के साथ-साथ विकसित किया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो का विस्तार मिलेनियम सिटी मेट्रो स्टेशन से आगे पुराने गुरुग्राम के इलाके से होते हुए साइबर हब तक होना हैं। इस रूट पर कई स्टेशन होंगे। इनमें दो स्टेशन गुरुग्राम साइबर हब और हीरो होंडा चौक स्टेशन के नजदीक से आरआरटीएस कॉरिडोर से गुजरेगा। जंक्शन बनाए जाने से आरआरटीएस के यात्री मेट्रो की सुविधा का और मेट्रो के यात्री आरआरटीएस की सुविधा का आसानी से लाभ उठा सकेंगे।

यहां रहना पसंद करेंगे लोग

इसका लाभ यह होगा कि दिल्ली और आसपास रहने की बजाय लोग मानेसर से लेकर अलवर तक रहना पसंद करेंगे। इससे दिल्ली एनसीआर में आबादी और ट्रैफिक का दबाव भी कम हो सकेगा। वहीं, प्रदूषण का स्तर भी कम होगा।

गुरुग्राम में विस्तार का काम शुरू

हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन के एक अधिकारी के अनुसार पुराने गुरुग्राम में मेट्रो विस्तार का काम शुरू हो चुका है। आरआरटीएस विकसित करने के लिए रूट लगभग फाइनल हो चुका है। जल्द ही इस पर काम शुरू होने की उम्मीद है। मेट्रो लाइन और आरआरटीएस कॉरिडोर को आपस में जोड़ने से काफी लाभ होगा।

07/08/2024 | Neemrana Behror | Page : 4

नीमराणा, शाहजहांपुर, बहरोड़, भिवाड़ी और अलवर में कई हजार इंडस्ट्रीज

दिल्ली-अलवर मेट्रो कॉरिडोर बने तो उद्योगपतियों को मिल सकेगा भरपूर लाभ

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क patrika.com

अलवर. दिल्ली से अलवर के बीच प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर जिले में औद्योगिक विकास की नई इबारत लिखने में मददगार साबित होगा। क्योंकि शाहजहांपुर, नीमराणा, बहरोड़, भिवाड़ी और अलवर क्षेत्र में कई हजार छोटी-बड़ी इंडस्ट्रीज हैं। मेट्रो कॉरिडोर बनने से उद्योगपतियों की देश की राजधानी से सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी। श्रमिकों को भी दिल्ली से अलवर के बीच अप-डाउन के लिए बेहतर परिवहन सुविधा मिल सकेगी। साथ ही उनके आवागमन का समय भी बचेगा।

पुराने अलवर जिले में रीको के 31 औद्योगिक क्षेत्र हैं। इसमें भिवाड़ी, टपूकड़ा, कहरानी, चौपानकी, खुशखेड़ा, नीमराणा, घीलोट, बहरोड़, एमआईए, पुराना औद्योगिक क्षेत्र ईटाराना, खैरथल, राजगढ़ एवं थानागाजी में प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं। जिनमें 4500 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं। इनमें कई नामचीन मल्टी नेशनल कम्पनियां भी हैं। इन औद्योगिक इकाइयों में तीन लाख से ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। एनसीआरटीसी की ओर से प्रस्तावित दिल्ली-एसएनबी-अलवर रैपिडएक्स 164 किमी की स्वीकृत सेमी-हाई स्पीड रेल लाइन हैं, जो दिल्ली-गुरुग्राम-धारूहेड़ा-रेवाड़ी-एसएनबी (शाहजहांपुर-नीमराना-बहरोड़)-अलवर को आपस में जोड़ेगी। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम लाइन (आरआरटीएस) अपने पहले चरण में दिल्ली-एसएनबी (106 किमी) को जोड़ेगी। दूसरे चरण में एसएनबी से सोतानाला (35 किमी) तथा तीसरे चरण में एसएनबी से अलवर (58 किमी) को जोड़ने की योजना हैं। 199 किमी लंबा रैपिड मेट्रो गलियारा बनने से यहां के उद्योगों को काफी लाभ होगा।

औद्योगिक क्षेत्रों में नहीं रेल सेवा

भिवाड़ी, टपूकड़ा, कहरानी, चौपानकी, खुशखेड़ा, नीमराणा, घीलोट, बहरोड़ आदि काफी विकसित औद्योगिक क्षेत्र हैं। यहां जापानी जोन, कोरियाई जोन सहित सैकड़ों बड़ी मल्टी नेशनल कम्पनियों के प्लांट लगे हैं, लेकिन ये औद्योगिक क्षेत्र आज तक रेलसेवा से नहीं जुड़ पाए हैं। इन औद्योगिक क्षेत्रों में रेलसेवा नहीं होने के कारण उद्योगपतियों को अपने माल को बाहर भेजने के लिए काफी ट्रांसपोर्टेशन खर्च करना पड़ रहा है। साथ ही उद्योगपति और उनके यहां काम करने वाले कर्मचारियों को भी दिल्ली आने-जाने में काफी समय लग रहा है।

जयपुर से भी होगी दिल्ली की दूरी कम

जयपुर से दिल्ली के बीच की दूरी करीब 308 किलोमीटर है। जिसे तय करने में करीब साढ़े पांच से छह घंटे का समय लगता है, लेकिन मेट्रो कॉरिडोर बनने के बाद जयपुर से दिल्ली की दूरी भी कम जाएगी। जयपुर से दिल्ली चार से साढ़े चार घंटे में पहुंचा जा सकेगा। क्योंकि मेट्रो कॉरिडोर के तहत रैपिड मेट्रो का एक स्टेशन बहरोड़-जयपुर हाइवे पर पनियाला के समीप सोतालाना में बनेगा। वहीं, एक स्टेशन अलवर में बनेगा। ऐसे में जयपुर से दिल्ली जाने वाले लोग बहरोड़ या अलवर तक किसी भी संसाधन से आ सकते हैं और उसके बाद रैपिड मेट्रो से दिल्ली पहुंच सकेंगे।

16/10/2024 | Neemrana Behror | Page : 4

मेट्रो कॉरिडोर: दिल्ली से अलवर तक बनेगा, दो-तीन साल में होगा तैयार

160 किमी की रफ्तार से डेढ़ घंटे में अलवर से दिल्ली पहुंचेगी रैपिड ट्रेन

सुजीत कुमार patrika.com

अलवर. अलवर से दिल्ली अब नजदीक होने जा रही है। दिल्ली से अलवर के बीच प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर को लेकर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने प्रक्रिया तेज कर दी है। अभी दिल्ली से गुरुग्राम तक मेट्रो ट्रेन चलती है। गुरुग्राम से अलवर तक रैपिड ट्रेन चलाने की योजना है। हालांकि मेट्रो कॉरिडोर बनने में अभी दो से तीन साल का समय लगेगा। लेकिन कॉरिडोर बनने के बाद अलवर से दिल्ली तक 160 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से रैपिड ट्रेन दौड़ेगी जो डेढ़ घंटे में दिल्ली की दूरी नाप लेगी। साथ ही दिल्ली से राजस्थान के औद्योगिक संबंध और ज्यादा मजबूत होंगे। गुरुग्राम साइबर सिटी में हीरो होंडा चौक एवं साइबर हब के सामने मेट्रो कॉरिडोर से जुड़ेगा। इससे मानेसर से लेकर अलवर तक की ओर से आने वाले लोग भी साइबर सिटी पहुंच सकेंगे।

राजस्थान-हरियाणा सरकार की मंजूरी

दिल्ली-एसएनबी खंड के लिए डीपीआर को दिसंबर 2018 में एनसीआरटीसी के बोर्ड, फरवरी 2019 में हरियाणा सरकार और जून 2019 में राजस्थान सरकार की ओर से निर्माण के लिए मंजूरी दी जा चुकी है।

अलवर से दिल्ली यह रहेगा रूट

जयपुर से दिल्ली जाने वाले यात्री अपने निजी साधन को अलवर में पार्क कर ट्रेन से दिल्ली आ-जा सकेंगे। इसी तरह जयपुर या अन्य शहरों के व्यापारी भी दिल्ली जाकर सामान की खरीद कर सकेंगे।

औद्योगिक विकास को लगेंगे पंख

1. **दिल्ली से अलवर** के बीच लोग रोजाना अप-डाउन कर सकेंगे। इसमें उन्हें मात्र सवा से डेढ़ घंटे का समय लगेगा। जबकि अभी अलवर से दिल्ली जाने में साढ़े तीन से चार घंटे लगते हैं।
2. **दिल्ली** और आस-पास रहने की बजाय लोग मानेसर से लेकर अलवर तक रहना पसंद करेंगे। इससे दिल्ली एनसीआर में आबादी-ट्रैफिक का दबाव, प्रदूषण भी कम होगा।
3. **शाहजहांपुर,** नीमराणा, बहरोड़ और सोतानाला औद्योगिक में कई मल्टी नेशनल कम्पनियों की औद्योगिक इकाइयां है। रेल लाइन नहीं होने से यहां का औद्योगिक विकास पिछड़ रहा है।
4. **यह** हरियाणा के शहरीकृत और औद्योगिक क्षेत्रों से होकर गुजरेगी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की उत्पादकता बढ़ाने के लिए दिल्ली हवाई अड्डे को आरआरटीएस नेटवर्क से जोड़ेगी।

तीन चरणों में होगा विकास...

दिल्ली-एसएनबी-अलवर रैपिडएक्स 164 किमी की स्वीकृत सेमी-हाई स्पीड रेल लाइन है, जो दिल्ली-गुरुग्राम-धारूहेड़ा-रेवाड़ी-एसएनबी (शाहजहांपुर-नीमराना-बहरोड़)-अलवर को आपस में जोड़ेगी।

एनसीआरटीसी इसे तीन चरणों में विकसित करेगी। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम लाइन (आरआरटीएस) अपने पहले चरण में दिल्ली -एसएनबी (106 किमी) को जोड़ेगी। इसके बाद दूसरे चरण में एसएनबी से सोतानाला (35 किमी) और अंत में तीसरे चरण में एसएनबी से अलवर (58 किमी) को जोड़ने की योजना है। यह पूरी 199 किमी लंबी गलियारा लाइन होगी। परियोजना की अनुमानित लागत 37,000 करोड़ रुपए है।

डीपीआर का इंतजार

दिल्ली-अलवर मेट्रो कॉरिडोर की डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) फिलहाल भारत सरकार के पास विचाराधीन है। वहां से डीपीआर मंजूर होने के बाद एनसीआरटीसी इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर देगा।
पुनीत वत्स, सीपीआरओ, एनसीआरटीसी, दिल्ली

AG INFRATECH
KEY TO YOUR HOMES

PROPOSED LAYOUT PLAN OF

GOLDEN HILLS

AT VILLAGE :- BANETHI, TEH.-KOTPUTLI, DIST.-KOTPUTLI-BEHROR

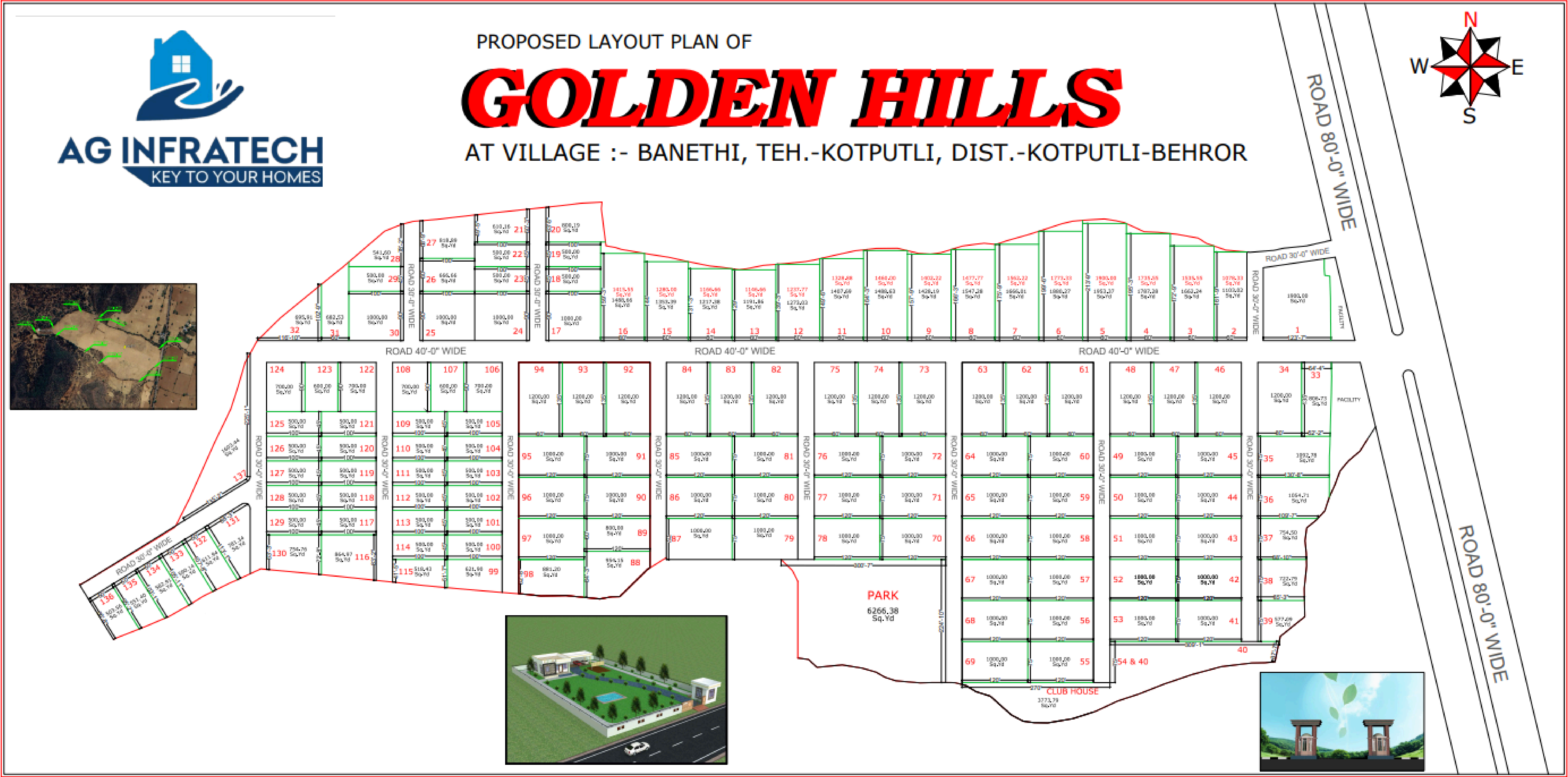

Site View

AMENITIES

Our
Delivered Projects

Payment PLAN

At Golden Hills, we offer flexible payment plans to make your dream farmhouse plot a reality. Choose the plan that best suits your financial needs and embark on your journey to owning a piece of paradise in the Aravalli foothills. Each plan is designed for your convenience and offers attractive savings.

Plan A (3 Month)

Effective Price: 7,500/sq.yd

500 sq.yd: 37.5L

- **10% Booking: 3.75L**
- **90% in 30 days**
- **Registry at 50%**

contact us

+91-9810675132,
+91-96437 25718

www.aginfratech.in

Info@aginfratech.in,
infoashugroup@gmail.com

Head Office:
Office no, 10, Sector 12 Rd,
Near Singha chowk, Sector 12,
Gurugram, Haryana 122001

Site Office:
Village Banethi,
Near Paniayala Mod,
Rajasthan-303105

AG INFRATECH
KEY TO YOUR HOMES